June 2021

SRMS Trust Bulletin

आयाम

SHRI RAM MURTI SMARAK TRUST
1990-2020
30
GLORIOUS YEARS
INDIA

SRMS IMS
20वां स्थापना दिवस
विश्वास और उपलब्धियों के 19 वर्ष

PAGE 04

- राम मूर्ति जी ने अपनी ही सरकार के आपातकाल के खिलाफ किया आंदोलन – PAGE 03
- कटे अंगों की सफलतापूर्वक सर्जरी – PAGE 11
- एसआरएमएस इंजीनियरिंग संस्थानों में एडमिशन के साथ लीजिए स्कॉलरशिप – PAGE 12
- कहानी– 'बिचारा नेक आदमी'- PAGE 14

SRMS

20th FOUNDATION DAY
4th JULY 2021

श्री राम मूर्ति स्मारक
इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, बरेली

1000 बैड का मल्टी सुपर स्पेश्यल्टी, टर्शरी केयर एवं ट्रामा सेन्टर

क्षेत्र की सर्वश्रेष्ठ सुविधायें (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस)

• क्रिटिकल केयर (ICU, ICCU, NICU, PICU) • कार्डियोलॉजी एवं कार्डियक सर्जरी सेंटर • कैन्सर सेंटर (कैंसर सर्जरी, कैंसर हाइपैक सर्जरी, रेडियोथैरेपी, ब्रेकीथैरेपी, कीमोथैरेपी, टारगेटेड / हारमोनल थैरेपी) • न्यूरोलॉजी एवं न्यूरो सर्जरी सेंटर • यूरोलॉजी एवं लेजर सर्जरी सेंटर • नैफ्रोलॉजी एवं डायलिसिस सेंटर • प्लास्टिक, कॉस्मेटिक एवं माइक्रोवस्कुलर सर्जरी • आर्थोस्कोपी एवं ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सेंटर • लैप्रोस्कोपिक सर्जरी सेंटर • गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी एवं जी.आई. सर्जरी सेंटर • कॉस्मैटोलॉजी एवं लेजर स्किन ट्रीटमेंट सेंटर • फेको (कैटरैक्ट) सर्जरी सेंटर • इनफर्टिलिटी सेंटर (IVF/ICSI, PICSI) • एडवांस इमेजिंग एवं इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी सेंटर

सभी जांचे एक छत के नीचे

• 3 टैस्ला एम.आर.आई., 128 स्लाइस डुअल सोर्स सी.टी. स्कैन, डिजिटल एक्स-रे, कलर अल्ट्रासाउन्ड, 4 डी कलर डाप्लर, डैक्सा स्कैन, फ्लोरोस्कोपी, मैमोग्राफी • ईको, टी.एम.टी., हॉल्टर • ई.ई.जी., ई.एम.जी., एन.सी.वी., ई.पी. • ई.एन.टी. वीडियो लैरिंजोस्कोपी, वीडियो स्ट्रबोस्कोपी, नैरोबैण्ड इमेजिंग एण्डोस्कोपी • एन्डोस्कोपी, कोलोनोस्कोपी • ब्रॉन्कोस्कोपी, स्लीप लैब, ईबस (EBUS) • कॉल्पोस्कोपी • अत्याधुनिक पैथोलॉजी लैब • माइक्रोबायलॉजी लैब, रियल टाइम पी.सी.आर. • बायोकैमेस्ट्री लैब • हिस्टोपैथोलॉजी लैब • ट्यूमर मार्कर

अन्य आवश्यक सुविधायें

वातानुकूलित ओपीडी कक्ष, जनरल वार्ड, जनरल ए.सी. वार्ड, सेमी प्राइवेट, प्राइवेट कक्ष, डीलक्स एवं सुपर डीलक्स कक्ष, मल्टी लेवल पार्किंग, बैंक, एटीएम, रैन बसेरा, गैस्ट हाउस, फूड कोर्ट, कैफेटेरिया, कैंटीन, डिपार्टमेंटल स्टोर, सलून, स्टेशनरी शॉप, फोटो स्टेट, इंटरनेट, कोरियर सर्विस, पब्लिक यूटिलिटी, आरओ वॉटर, सभी क्षेत्रों में लिफ्ट एवं रैम्प की सुविधा, निःशुल्क बस की सुविधा, मंदिर, विजिटर कक्ष, विभिन्न क्षेत्रों में वेटिंग एरिया

13 किमी, बरेली-नैनीताल रोड, भोजीपुरा, बरेली-243202

✆ 9458702182, 9458702257, 9412738657, 9412738656

उपलब्धियों भरा सफर भरोसे का भविष्य

19 वर्ष में 70 लाख से ज्यादा ओपीडी। 5.5 लाख से ज्यादा इनडोर पेशेंट। 1.5 लाख से ज्यादा बड़े आपरेशन। एक लाख से ज्यादा डायलिसिस। 40 हजार से ज्यादा हार्ट के आपरेशन। 18 हजार से ज्यादा कैंसर मरीजों का उपचार जिनमें 85 सौ से ज्यादा का आपरेशन। 25 हजार से ज्यादा मोतियाबिंद का निशुल्क आपरेशन और 22 हजार से ज्यादा मरीजों की निशुल्क स्वास्थ्य जांच। यह कुछ आंकड़े हैं जो एसआरएमएस मेडिकल कालेज की उपलब्धियों को रेखांकित करते हैं। ओपीडी में आने वाले 70 लाख से ज्यादा मरीजों का विश्वास हासिल करने वाला एसआरएमएस मेडिकल कालेज चार जुलाई को अपनी स्थापना के 19 वर्ष पूरे कर बीसवें साल में प्रवेश करने वाला है। इतने वर्षों के उपलब्धियों भरे सफर को पिछले वर्ष वैश्विक कोरोना महामारी ने कुछ रोकने की कोशिश की लेकिन एसआरएमएस ने इस दौरान भी तीन हजार से ज्यादा कोविड संक्रमित मरीजों को स्वस्थ्य करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।19 वर्ष की उपलब्धियों पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज को बधाई और 20वें वर्ष में प्रवेश पर शुभकामनाएं।

जय हिंद

अमृत कलश

''संघर्ष प्रकृति का 'आमंत्रण' है जो स्वीकार करता है, वही आगे बढ़ता है।''

EDITORIAL TEAM

Amit Awasthi	-	Editor
Shivam Sharma	-	Correspondent
Rishabh Tiwari	-	Correspondent
Indu Dixit	-	Photographer
Yasmeen Khan	-	Designer
Vineet Sharma	-	(Co-Ordinator, IMS)
Dr. Ekta Rastogi	-	(Co-Ordinator, IBS)

Mail us: amit.awasthi@srms.ac.in, www.srms.ac.in

13 km., Ram Murti Puram, Nainital Road, Bhojipura Bareilly (U.P.) Mob.: 9458706090, 0581-2582000

अपनी ही सरकार के आपातकाल के खिलाफ आंदोलन

कांग्रेस ने स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी को 1974 में बहेड़ी विधानसभा से प्रत्याशी बनाया। जनता के व्यापक समर्थन से वह बड़े अंतर से जीत कर विधानसभा पहुंचे। कांग्रेस ने उन्हें विधान मंडल दल का नेता चुना। अगले ही वर्ष 1975 में 25 जून को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश पर आपातकाल थोप दिया। नागरिकों के मौलिक अधिकार समाप्त कर दिए गए। कांग्रेस सरकार ने अपने मनमाने ढंग से अत्याचार शुरू किया। विपक्षी नेताओं के साथ फैसले का विरोध करने वाले अपने नेताओं को भी जेल में डाल दिया। सभी बड़े नेताओं को या तो सलाखों के पीछे कर दिया गया या वो भूमिगत हो गए। समाजसेवियों और पत्रकारों सहित फैसले का विरोध करने वाले आम लोगों पर भी जुल्म शुरू हो गए।

कांग्रेस नेताओं के साथ स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी (फोटो-एसआरएमएस ट्रस्ट आर्काइव)

पूरे देश में अराजकता का माहौल था। अत्याचारों को देख राम मूर्ति जी व्यथित हो गए। एक तरफ उनके सिद्धांत थे तो दूसरी तरफ अपनी ही पार्टी की सरकार और उसका तानाशाही फैसला। उन्होंने अपने चंद साथियों के साथ मीटिंग की। आखिरकार सिद्धांतों पर चलना जरूरी समझा और सरकार के तुगलगी फैसले के विरोध का निर्णय लिया। आपातकाल के खिलाफ बरेली कचहरी पर सत्याग्रह आंदोलन शुरू हुआ। सरकार ने अपने ही 65 वर्ष के वयोवृद्ध नेता को भी नहीं छोड़ा। उन्हें पकड़ कर जेल में डाल दिया गया। इसके बाद भी राम मूर्ति जी ने अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। राजनैतिक दवाब और उनकी लोकप्रियता के चलते छह महीने बाद अगले वर्ष जनवरी में उन्हें जेल से रिहा किया गया।

SHRI RAM MURTI SMARAK TRUST
1990-2020
30
GLORIOUS YEARS
INDIA

Vision

- To be partner in building India a world leader in Medical Education & Health Care.
- To establish & develop world class self reliant institute for imparting Medical and other Health Science education at under-graduate, post-graduate & doctoral levels of the global competence.
- To serve & educate the public, establish guidelines & treatment protocols to be followed by treating hospitals.
- To provide quality & affordable health care facilities and services to all sections of society.

Values

Integrity **Excellence**
Fairness **Innovativeness**

Mission

- To strive incessantly to achieve the goals of the Institution.
- To impart academic excellence in Medical Education.
- To practice medicine ethically in line with the global standard protocols.
- To evolve the Institution to the status of a Deemed University.
- Our Students - Our Assets.
- Our Staff - Our Means.

न्यूनतम खर्च पर मरीजों का स्तरीय इलाज कर हासिल की उपलब्धियां

एसआरएमएस आईएमएस पर विश्वास के 19 वर्ष

स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में चार जुलाई को 20वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है एसआरएमएस

देव मूर्ति
प्रबन्ध न्यासी एवं संस्थापक
एसआरएमएस ट्रस्ट

- दूसरे जिलों और प्रदेशों तक पहुंची गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा की ख्याति
- इलाज के लिए अब लखनऊ और दिल्ली नहीं भागते बरेली और आसपास के मरीज
- कोविड महामारी के 15 महीनों में तीन हजार से ज्यादा संक्रमित मरीजों का उपचार

बरेली: न्यूनतम खर्च पर विश्वस्तरीय इलाज लेना हो तो आज सभी के जेहन में एक ही नाम आता है। ...**एसआरएमएस मेडिकल कालेज**। इस पर साल दर साल मरीजों का बढ़ता विश्वास, आज इसकी उपलब्धि बयान करने के लिए काफी है। यही भरोसा है कि अब इमरजेंसी और गंभीर बीमारियों में बरेली और आसपास के मरीज दिल्ली या लखनऊ का रुख नहीं करते। वह इलाज के लिए एसआरएमएस आते हैं और खोया हुआ स्वस्थ हासिल कर घर वापस जाते हैं। चार जुलाई को स्वास्थ्य सेवा में विश्वास के 19 स्वर्णिम वर्ष पूरे करने वाले एसआरएमएस मेडिकल कालेज के लिए 19वां वर्ष यानी वर्ष 2020 बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। वैश्विक कोविड महामारी एसआरएमएस मेडिकल कालेज के लिए भी चुनौती के रूप में आयी। इन विपरीत परिस्थितियों के 16 महीनों में भी तीन हजार से ज्यादा कोविड संक्रमित मरीजों का सफलतापूर्वक उपचार कर एसआरएमएस मेडिकल कालेज ने खुद को साबित किया और लोगों के भरोसे पर हमेशा की तरह खरा उतरा।

एसआरएमएस ट्रस्ट के प्रबन्ध न्यासी एवं संस्थापक श्री देव मूर्ति जी कहते हैं कि हमने पहले दिन से ही **हेल्थ फार आल, हास्पिटल फार आल** को अपना आदर्श बनाया। स्वास्थ्य सेवाओं को ग्रामीणों के दरवाजे तक पहुंचाने की कोशिश की। प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए गांव भैरपुरा में टेलीमेडिसिन सेंटर स्थापित किया। देहात क्षेत्र में निशुल्क ओपीडी, फार्मेसी, पैथोलाजी और छोटे आपरेशन की सुविधा के लिए अत्याधुनिक स्वास्थ्य संसाधनों से युक्त हास्पिटल आन व्हील्स के रूप में दो एयरकंडीशंड बसें संचालित की हैं। टेलीमेडिसिन मोबाइल सेंटर आरंभ किया। हम सभी मरीजों को कम खर्च में विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। इसी वजह से एसआरएमएस मेडिकल कालेज पर बरेली और आसपास के मरीजों के साथ ही उत्तराखंड के मरीजों का भरोसा बढ़ा है। यह विश्वास हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। एसआरएमएस में 43.3 फीसद मरीजों का इलाज पांच हजार रुपये से कम में हो जाता है। 34.95 फीसद दिल के रोगियों का सिर्फ 25 हजार रुपये में इलाज भी हमारे यहां ही मुमकिन है। मात्र 4.1 फीसद मरीजों को एक लाख रुपये से ज्यादा धनराशि इलाज में खर्च करनी पड़ी है। हम लगातार मरीजों के विश्वास पर खरा उतरने की कोशिश कर रहे हैं। कामयाबी भी मिल रही है। इस महीने हम स्वास्थ्य सेवा में 19 वर्ष पूरे कर 20वें वर्ष में प्रवेश करेंगे। इन 19 वर्षों में मरीजों के विश्वास के साथ ही एसआरएमएस मेडिकल कालेज ने कई उपलब्धियां भी हासिल की हैं। इनमें आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट, इन्फर्टिलिटी सेंटर, अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ 85 बेड की क्रिटिकल केयर यूनिट का स्थापित होना अहम है। देव मूर्ति जी कहते हैं कि वैश्विक महामारी कोविड से निपटने के लिए भी हमने योगदान दिया। पिछले वर्ष मार्च में सरकार ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज को कोविड लेबल 3 अस्पताल बनाया। प्रशासन द्वारा यहां अधिग्रहीत आईसीयू के 80 बेड समेत 400 बेडों पर कोविड संक्रमित मरीजों का उपचार किया गया। इस दौरान एसआरएमएस ट्रस्ट ने एनएबीएल द्वारा मान्यता प्राप्त कोविड टेस्टिंग लैब स्थापित की। जिसकी बदौलत हम तीस हजार से ज्यादा जांचें करने में कामयाब हुए। डाक्टर, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ सहित 1500 से ज्यादा

हमारे साथियों ने संक्रमितों के इलाज में अपने परिवार की चिंता को दरकिनार कर मानवसेवा धर्म अपनाया। इस दौरान तमाम साथी संक्रमित भी हुए, लेकिन उन्होंने स्वस्थ होकर फिर मरीजों की सेवा को प्राथमिकता दी और खुद को कोरोना वारियर साबित किया। कोरोना काल में सवा सौ से ज्यादा कोविड संक्रमितों की सर्जरी भी की गई और 100 से ज्यादा कोविड संक्रमित महिलाओं का सफलतापूर्वक सीजेरियन आपरेशन किया गया। यहां हम संस्थान के कर्मचारियों सहित 5719 आम लोगों का टीकाकरण सफलतापूर्वक कर चुके हैं। कोविड महामारी के इलाज में सरकारी सहायता में शामिल न हो पाने वाले जरूरतमंद संक्रमित मरीजों का इलाज भी हमने एसआरएमएस ट्रस्ट के माध्यम से किया। कोविड की संभावित तीसरी लहर से निपटने के लिए भी हम तैयार हैं। यहां बच्चों के लिए 100 बेड का वार्ड तैयार किया जा चुका है। बंगलुरू के एनजीओ एक्टग्रांट की मदद से मेडिकल कालेज में 550 लीटर का नए आक्सीजन प्लांट भी स्थापित किया जा रहा है।

तेजी से उभरता देश का टाप 10 मेडिकल कालेज

एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति जी पत्रिका इंडिया टुडे ने इसी महीने (जुलाई 21) प्रकाशित अंक में एसआरएमएस मेडिकल कालेज को देश के टाप टेन कालेजों में स्थान दिया। इंडिया टुडे के सर्वे में वर्ष 2000 और इसके बाद स्थापित सभी सरकारी और निजी मेडिकल कालेजों की लिस्ट में सबसे ज्यादा अंक पाने वाले मेडिकल कालेजों की लिस्ट जारी की। इसमें एसआरएमएस मेडिकल कालेज को टाप टेन में स्थान दिया है। लखनऊ स्थित एक निजी मेडिकल कालेज को छोड़ कर प्रदेश का कोई भी निजी और सरकारी मेडिकल कालेज टाप टेन की लिस्ट में स्थान हासिल नहीं कर पाया। कोविड महामारी के दौरान हुए इस सर्वे ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज की गुणवत्ता और विश्वसनीयता को स्वीकार किया है। समाचार चैनल एबीपी न्यूज की ओर से भी एसआरएमएस मेडिकल कालेज को वर्ल्ड हेल्थ एंड वैलनेस अवार्ड प्रदान किया गया।

चार जुलाई 2002 को स्थापित हुआ मेडिकल कालेज

बरेली स्थित भोजीपुरा में श्रीराम मूर्ति स्मारक मेडिकल इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज की स्थापना एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से चार जुलाई वर्ष 2002 में की गई। ट्रस्ट के संस्थापक, चेयरमैन श्री देव मूर्ति जी ने अपने पिता स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री स्वर्गीय राम मूर्ति जी के आदर्श, **'सबको शिक्षा और सबको स्वास्थ्य'** को जन जन तक पहुंचाने के लिए विश्वस्तरीय सुविधा युक्त हास्पिटल खोलने का संकल्प लिया। 2001 में वसंत पंचमी के दिन (29 जनवरी) को ट्रस्ट परिवार के सदस्यों के साथ नींव पूजन के बाद सपनों की इमारत ने आकार लेना शुरू किया। करीब डेढ़ वर्ष वर्ष बाद, बीस साल पहले, चार जुलाई 2002 को देव मूर्ति जी की मां आदरणीय रामरखी जी के सानिध्य और आशीर्वाद से क्रिटिकल केयर और आई बैंक के साथ 30 एकड़ में बने एसआरएमएस हास्पिटल का उद्घाटन हुआ। वर्ष 2005 में एमबीबीएस के पहले बैच के साथ मेडिकल कालेज भी आरंभ हो गया।

Certificate of Appreciation
"Silver"
Dated : 26-01-2021
This certificate is awarded to
Shir Ram Murti Smarak Institute of Medical Sciences, Bareilly
in recognition of adherence to the Quality Certification standards of
Ayushman Bharat Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana (AB PM-JAY).
Dr. Ashok Kumar
Dr. S.K. Garg
Nilish Kumar (IAS)

आदित्य मूर्ति जी कहते है कि बरेली जिले के 119 अस्पतालों में संचालित आयुष्मान प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेवाई) में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने के लिए डीएम नीतीश कुमार ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। इसके साथ ही उन्होंने मरीजों को श्रेष्ठ और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सकीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए एसआरएमएस मेडिकल कालेज को सिल्वर क्वालिटी सर्टिफिकेट भी दिया। यह सम्मान इसी वर्ष 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर कलेक्ट्रेट में मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा.आरपी सिंह ने हासिल किया। इसी माह 31 जनवरी को जिला प्रशासन और अमर उजाला ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज को कोविड महामारी के दौरान मरीजों को स्वस्थ करने में दिए गए योगदान के लिए रुहेलखंड कोरोना योद्धा सम्मान प्रदान किया। मेडिकल एजूकेशन में विशेष योगदान के लिए एसआरएमएस मेडिकल कालेज को वर्ष 2015 में टाइम्स आफ इंडिया एजूकेशन अवार्ड मिला। ट्रस्ट के चेयरमैन श्री देव मूर्ति जी को यह अवार्ड उ.प्र. के तत्कालीन राज्यपाल राम नाइक ने प्रदान किया। आईसीएफएमटी की ओर से एक्सिलेंस इन हायर एजूकेशन अवार्ड मिला। वर्ष 2019 में एसआरएमएस मेडिकल कालेज को हेल्थ केयर सर्विस में आरएमए एक्सिलेंस अवार्ड हासिल हुआ। वर्ल्ड फेडरेशन आफ मार्केटिंग एंड वर्ल्ड सस्टेनिबिलिटी कांग्रेस ने हेल्थ केयर लीडिंग अवार्ड और बेस्ट इंस्टीट्यूट इन हेल्थकेयर अवार्ड भी एसआरएमएस मेडिकल कालेज को दिया है। पेशेंट सेफ्टी एंड क्वालिटी आफ केयर में एसआरएमएस मेडिकल कालेज को एनएबीएच से एंट्री लेबल सर्टिफिकेट हासिल है। एसआरएमएस मेडिकल कालेज को वर्ष 2013 में उ.प्र. सरकार के लघु उद्योग एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग से डा.राम मनोहर लोहिया लघु उद्यमी पुरस्कार मिला।

अत्याधुनिक उपकरणों से होता है इलाज...

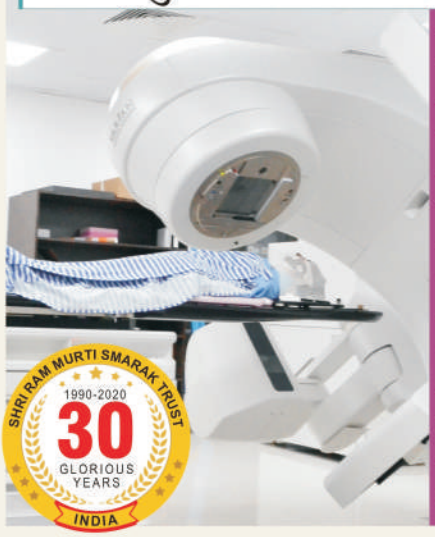

आदित्य मूर्ति
डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन
एसआरएमएस आईएमएस

एसआरएमएस आईएमएस आज लखनऊ और दिल्ली के बीच स्थित पूर्वी उत्तर प्रदेश का अत्याधुनिक संसाधनों से युक्त मल्टी सुपरस्पेशियलिटी हास्पिटल है। प्री क्लीनिकल, पैरा क्लीनिकल और क्लीनिकल डिपार्टमेंट सम्पन्न इस मेडिकल कालेज में रेडियोथेरेपी, कार्डियक साइंसेज, रीनल साइंसेज, न्यूरो साइसेंज और प्लास्टिक सर्जरी विभाग और इनकी ओपीडी भी सफलतापूर्वक संचालित हैं। इन विभागों में सबसे ज्यादा मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। जिनकी संख्या प्रतिदिन 12 सौ से ज्यादा हो जाती है। अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों में भी इन्हीं विभागों के 85 फीसद मरीज होते हैं। यहां प्रति माह दो सौ से ज्यादा मरीज दिल संबंधी समस्याओं के इलाज के लिए पहुंचते हैं। चार सौ से ज्यादा डायलिसिस भी प्रतिमाह एसआरएमएस मेडिकल कालेज में की जा रही हैं। 50 से ज्यादा मरीजों की रेडियोथेरेपी और छह सौ से ज्यादा मरीजों की मेजर सर्जरी को यहां सफलतापूर्वक अंजाम दिया जा रहा है। अपने ही संसाधनों से पोषित होने के बाद भी एसआरएमएस मेडिकल कालेज में मरीजों के इलाज के लिए श्रेष्ठ टेक्नालाजी और उपकरण उपलब्ध हैं। यहां 3.0 टेस्ला एमआरआई, हाई एनर्जी लीनियर एक्सेलेरेटर- ब्रेकीथेरेपी यूनिट, माड्यूलर आपरेशन थिएटर, कोरोनरी एंजियोग्राफी के लिए कैथ लैब, एंजियोप्लास्टी और हार्ट की दूसरी जांचें, वीडियो एंडोस्कोपी एवं ब्रांकोस्कोपी, 4डी कलर डाप्लर जैसे तमाम अत्याधुनिक उपकरण मौजूद हैं।

टाइम लाइन

- 2002 क्रिटिकल केयर और आई बैंक के साथ हास्पिटल आरंभ।
- 2003 कार्डियोलाजी ओपीडी और एमआरआई सुविधा आरंभ।
- 2005 एमबीबीएस के पहले बैच के साथ मेडिकल कालेज शुरू।
- 2006 जीएनएम नर्सिग की पढ़ाई शुरू।
- 2008 आरआर कैंसरर इंस्टीट्यूट का उद्घाटन।
- 2010 3 टेस्ला एमआरआई सुविधा के साथ रेडियोलाजी सेंटर स्थापित।
- 2011 17 विषयों में 25 सीटों के साथ एमडी और एमएस आरंभ।
- 2012 रेडियोथरेपी और टीबी व रेस्पेरेटरी डिजीज में एमडी कोर्स आरंभ। साथ ही पीजी सीटों की संख्या 25 से बढ़कर 60 हुई।
- 2013 एसआरएमएस मेडिकल कालेज एवं हास्पिटल को उप्र सरकार के लघु उद्योग एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग की ओर से दिया गया डा.राम मनोहर लोहिया लघु उद्यमी पुरस्कार।
- माइक्रोबायोलाजी विभाग की सेंट्रल रिसर्च लैब में रियल टाइम पीसीआर स्थापित।
- रेडियोडाइग्नोसिस विभाग में डेक्सा स्केन स्थापित।
- 2014 एसआरएमएस इन्फर्टिलिटी सेंटर द्धटेस्ट ट्यूब बेबीद्ध आरंभ।
- डीएसए और ईपी के साथ न्यू कैथ लैब आरंभ।
- अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ 85 बेड की क्रिटिकल केयर यूनिट आरंभ।
- साइकियाट्री विभाग में पीजी कोर्स आरंभ। सीटों की संख्या बढ़ कर 73 हुई।
- 2015 गांव भैरपुरा में प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए टेलीमेडिसिन सेंटर आरंभ।
- ग्रामीणों को निशुल्क ओपीडी, फार्मेसी पैथोलाजी और छोटे आपरेशन की सुविधा देने के लिए अत्याधुनिक स्वास्थ्य संसाधनों से सुसज्जित हास्पिटल आन व्हील्स के रूप में दो एसी बसें आरंभ।
- 2016 एमडी और एमएस के रूप में पीजी सीटों की संख्या बढ़ कर 76 हुई।
- 2017 टेलीमेडिसिन मोबाइल सेंटर आरंभ।

उपलब्धियां दे रहीं हैं गवाही

ओ.पी.डी.

OPHTHALMOLOGY

आई बैंक के साथ अत्याधुनिक सर्जरी

फेको सर्जरी और प्रिमियम आईओएल इंप्लांटेशन के साथ आंखों की दूसरी सभी सर्जरी के मामले में यहां का नेत्र विभाग पूर्वी उ.प्र. का एडवांस सेंटर के रूप में जाना जाता है। यहां पर आई बैंक भी संचालित है, जो एक दशक से ज्यादा समय से नेत्रहीन लोगों की जिंदगी को रोशन करने में लगा है। यहां आंखों की देखभाल के लिए सभी तरह की अत्याधुनिक जांचों के लिए उपकरण और सर्जरी के लिए विशेषज्ञ उपलब्ध हैं। यह विशेषज्ञ मोतियाबिंद के आपरेशन से लेकर मुश्किल से मुश्किल माने जाने वाले ग्लूकोमा फिल्टरिंग, लिड आकुलोप्लास्टी और आर्बिटल सर्जरी को भी सफलता पूर्वक करने में माहिर हैं। यहां मोतियाबिन्द का ऑपरेशन निशुल्क किया जाता है।

PULMONARY MEDICINE

बहुआयामी भूमिका में है पल्मोनरी विभाग

यहां का पल्मोनरी मेडिसिन विभाग बहुआयामी भूमिका निभाता है। सांस के मरीजों के इलाज के साथ ही आईसीयू के पूर्णकालिक प्रबंधन की जिम्मेदारी भी पल्मोनरी विभाग के पास है। यहां फाइबरआप्टिक, ब्रोंकोस्कोपी, ब्रोंकोस्कोपिक बायोप्सी, ब्रोंकियल वेओलर लैवेज, ब्रोंकोस्कोपिक फारेन बाडी रिमूवल जैसी उन्नत जांचों की सुविधा है। माइक्रोबायोलाजी विभाग की मदद से यहां पर अस्थमा, एलर्जी क्लीनिक, सोओपीडी और पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन क्लीनिक, डाट्स सेंटर और एमडीआर, एक्सडीआर टीबी क्लीनिक जैसे कई विशिष्ट क्लीनिक सफलतापूर्वक संचालित किए जा रहे हैं।

OBS & GYNAECOLOGY

हाईरिस्क प्रेग्नेंसी निदान और आईवीएफ भी

यहां का स्त्री और प्रसूति रोग विभाग पश्चिमी उप्र और उत्तराखंड का प्रमुख सेंटर है। यहां हाई रिस्क प्रेग्नेंसी के इलाज के साथ इंफर्टिलिटी का ट्रीटमेंट भी सफलता पूर्वक किया जाता है। आईवीएफ के जरिये यह सेंटर सैकड़ों दंपतियों की गोद भर चुका है। यहां यूरोग्नीआंकोलाजी, गायनी ओंकोलाजी और गायनी एंडोस्कोपिक सर्जरी सफलतापूर्वक हो रही हैं। हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी, हिस्टेरेक्टामी, गायनी एंडोक्रिनोलाजी, कोल्पोस्कोपी, सर्वाइकल और ओवेरियन कैंसर के इलाज के साथ यहां एंटी नेटल, पोस्ट नेटल, इंफर्टिलिटी, फैमिली प्लानिंग वैलफेयर क्लीनिक के साथ ही कैंसर स्क्रीनिंग और मोनोपाजल क्लीनिक भी संचालित हैं। कोविड महामारी के दौरान भी यहां सुरक्षित डिलीवरी करवायी गयी।

ORTHOPAEDICS

घुटना एवं कूल्हा प्रत्यारोपण संग आर्थोस्कोपी

घुटना और कूल्हे के प्रत्यारोपण के साथ आर्थोस्कोपी भी हड्डियों की साधारण टूटफूट को जोड़ने के साथ यह विभाग घुटने और कूल्हों के प्रत्यारोपण में माहिर है। यहां कलाई, कंधे और रीढ़ की हड्डी के सफलतापूर्वक आपरेशन के साथ ही आर्थोस्कोपी, स्पोर्ट्स इंजरी का भी इलाज किया जाता है। यहां आस्टियोआर्थराइटिस, टीबी के लिए सिनोवेक्टोमी, रूमेटोइड, सिनोवियल बायोप्सी के साथ टोटल आर्थोस्कोपिक इंटीरियर और पोस्टीरयल क्रूसिएट लिगामेंट रिकंस्ट्रक्शन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया जा रहा है। यहां पर इलेक्ट्रो व लेजर थेरेपी, ड्रग थेरेपी, फिजिकल थेरेपी से ट्रीटमेंट के साथ बोन ग्राफिंग के साथ फ्रैक्चर सर्जरी की जाती है। यहां फ्रैक्चर, स्पाइनल, आर्थोप्लास्टी, आर्थोस्कोपी क्लीनिक भी संचालित हैं।

ENT, Head & Neck Surgery

गले का मुश्किल ऑपरेशन भी सफलता से

इस विभाग में ईएनटी संबंधित सारी बीमारियों का इलाज अत्याधुनिक उपकरणों और तकनीकी से किया जाता है। बड़ों के साथ ही यहां पर बच्चों के कान, नाक और गले के जटिल आपरेशन भी सफलतापूर्वक किये जाते हैं। इसके साथ ही यहां ओटोलाजी, न्यूटोलाजी संबंधित उपचार भी प्रदान किए जाते हैं। यहां कोक्लियर इंप्लांट (कर्णावत प्रत्यारोपण) कार्यक्रम भी संचालित है, जिसमें बच्चों के कानों का आपरेशन कर उन्हें सुनने योग्य बनाया जाता है। स्पीच और लैंग्वेज थेरेपी के साथ यहां नोज और पैरा नोजल साइनस सर्जरी, ओरल व मैक्सिलो फेशियल सर्जरी, खर्राटे और स्लीप सर्जरी के साथ ही थायराइड, पैराथायराइड सर्जरी भी की जाती हैं।

PEDIATRICS

बच्चों की तकलीफों का एक जगह समाधान

यहां का पीडियाट्रिक विभाग बेबी फ्रेंडली हास्पिटल के रूप में सर्टिफाइड है। इसमें अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित एनआईसीयी और पीआईसीयू है। जिसमें बोन मैरो एस्पिरेशन, ब्लड कंपोनेंट ट्रांसफ्यूजन, लीवर बायोप्सी, रीनल बायोप्सी, सीएसएफ टेस्टिंग, इंटर कास्टल ड्रेनेज, एक्सचेंज ट्रांसफ्यूजन जैसी विशिष्ट सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। यहां डायरिया, सामान्य बुखार, निमोनिया, अस्थमा, पीलिया से परेशान नवजात बच्चों का सफलतापूर्वक इलाज किया जाता है। थैलेसीमिया, हीमोफीलिया जैसे हाई रिस्क वाली दिक्कतों का भी यहां निदान किया जाता है। यहां वेल बेबी क्लीनिक के साथ ही एडोलसेंट क्लीनिक भी संचालित है।

ओ.पी.डी.

DENTAL

दांतों की सभी दिक्कतों का उपचार

यहां का दंत रोग विभाग इलेक्ट्रानिक डेंटल चेयर, रेडियोविजियोग्राफी (आरवीजी) यूनिट, लाइट क्योर सिस्टम, कैविट्रान, प्रोफाइल रूट कैनाल सिस्टम, कम्प्यूटरीकृत पोर्सिलेन फर्नेस से सुसज्जित और प्रोस्थेटिक लैब से लैस है। यहां आर्थोडोंटिक्स, पेडोडोंटिक्स, कास्मेटिक डेंटिस्ट्री, एंडोडान्टिक्स, क्राउन व ब्रिज ट्रीटमेंट, पूर्ण और आंशिक डेन्चर और प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री जैसे दांतों से संबंधित सभी दिक्कतों को दूर किया जाता है। यहां मैक्सिलरी और मैंडिबुलर फ्रैक्चर और चेहरे की मामूली कास्मेटिक सर्जरी के लिए एक मैक्सिलोफेशियल सर्जरी यूनिट भी है। हजारों संतुष्ट मरीज इसकी सफलता की कहानी कहते है।

CARDIOLOGY

हार्ट के मरीजों का सबसे ज्यादा यहां पर इलाज

यहां का कार्डियोलाजी विभाग विश्वस्तरीय अत्याधुनिक उपकरणों से लैस और कुशल चिकित्सकों से युक्त है। इस विभाग में सबसे ज्यादा मरीज इलाज के लिए आते हैं। यहां पूरे अस्पताल की सबसे व्यस्त ओपीडी चलती है। यहां एट्रियल फाइब्रिलेशन, इंटरवेंशनल कार्डियोलाजी और हार्ट फेल्योर जैसी कार्डियोवैस्कुलर संबंधी हर स्थिति का समाधान किया जाता है। यहां प्रति माह दो सौ से ज्यादा मरीज दिल संबंधी समस्याओं के इलाज के लिए पहुंचते हैं। जिनमें बरेली और आसपास के क्षेत्र के साथ ही उत्तराखंड के मरीज काफी संख्या में होते हैं। यहां पर करीब 40 हजार से ज्यादा मरीजों के हार्ट का आपरेशन कर उनकी जान बचाई जा चुकी है।

R R CANCER INSTITUTE

कैंसर के इलाज में बड़ा नाम है एसआरएमएस

यहां कैंसर यानी ओंकोलाजी विभाग अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है। इसे आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर के रूप में जाना जाता है। कैंसर के मरीजों की प्रारंभिक अवस्था में जांच और उपचार के लिए यह 30 सितंबर 2008 को स्थापित हुआ था। कैंसर के उपचार के लिए सर्जिकल, रेडिएशन और आंकोलाजी जैसी सभी सुविधाएं यहां एक ही स्थान पर उपलब्ध करवाई गई हैं। कैंसर रोगियों की निगरानी के लिए यहां पर ट्यूमर बोर्ड संचालित है। इसमें विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ मरीजों के ट्रीटमेंट पर नजर रखते हैं। यहां ब्रेंकीथेरेपी के लिए दो हाई एनर्जी लीनियर एक्सेलेटर और 30 चौनल की एचडीआर, लीनियर एस्सेलेटर ट्रूबीम जैसी अत्याधुनिक और महंगी मशीने उपलब्ध हैं।

SHRI RAM MURTI SMARAK TRUST
1990-2020
30
GLORIOUS YEARS
INDIA

Center of Excellence

- Minimal Invasive Surgery
- Gastroenterology
- Gastrosurgery
- Dermatology
- IVF Center
- Critical Care
- Plastic and Cosmetic Surgery
- Nephrology
- Urology and Lasers
- Neuro Science
- Joint Replacement & Arthroscopy
- Cardiology
- Oncology
- Oncosurgery
- Pain Management
- Varicose Vein
- Head & Neck Surgery
- Cochlear Implant Surgery
- Cardiothoracic &
- Vascular Surgery (CTVS)

आम लोगों के लिए मेडिकल कालेज की निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं

समाज सेवा

कोक्लियर इंप्लांट प्रोग्राम से निशुल्क कान का आपरेशन

कोक्लियर इंप्लांट (कर्णावत प्रत्यारोपण) कार्यक्रम पश्चिमी उप्र में एकमात्र ऐसी योजना है, जिसमें बच्चों के कानों का आपरेशन कर उन्हें सुनने योग्य बनाया जाता है। इस आपरेशन पर करीब सात लाख का खर्च आता है। चार साल पहले एसआरएमएस ट्रस्ट ने इस योजना को शुरू किया था। जिसमें निर्बल वर्ग के दो मरीजों का आपरेशन खुद ट्रस्ट की ओर से कराया जाता है। इसी वर्ष जनवरी में केंद्र सरकार ने कोक्लियर इंप्लांट प्रोग्राम के लिए एसआरएमएस मेडिकल कालेज को अपने पैनल में शामिल किया है। इससे यहां जरूरतमंद सभी बच्चों की कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी अब संभव हो पाएगी।

हास्पिटल आन व्हील्स से निशुल्क चेकअप

अक्टूबर 2015 में यह सुविधा शुरू की गई। तब से यह मोबाइल हास्पिटल युक्त बस जिले के सभी पंद्रह ब्लाकों में कैंप कर चुकी है। पड़ोसी जिले रामपुर, पीलीभीत, बदायूं के कई ब्लॉकों में इससे ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। तकनीकी कारणों से बस हास्पिटल आन व्हील्स का संचालन जून 19 में स्थगित किया गया। तब तक इसके माध्यम से 83 हजार 844 ग्रामीणों का निशुल्क चेकअप किया गया है। इसमें 13 हजार से ज्यादा कैंसर और टीबी जैसे गंभीर मरीजों की आरंभिक अवस्था में ही खोजे गए। जल्द ही इस सेवा को फिर से संचालित किया जा रहा है।

मोबाइल टेलीमेडिसिन बस से 41224 मरीजों की जांच

हेल्थ केयर सुविधाओं से युक्त इस बस में मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों से वीडियो कांफ्रेंसिंग से बात करने की सुविधा दी गई थी। मरीज की पल्स, ब्लड प्रेशर और तापमान चेक के साथ ही एचबी और ब्लड शुगर की जांच, ईसीजी, एएनसी डाइग्नोस्टिक्स, स्पाइरोमैट्री भी निशुल्क की जाती है। दवाइयां भी निशुल्क दी जाती हैं। तहसीलों के लिए अलग अलग दिनों में संचालित होने वाली यह मोबाइल टेलीमेडिसिन बस सुविधा लाकडाउन के चलते पिछले वर्ष मार्च से स्थगित है। इससे 92 हजार 688 मरीजों को देखा गया। 41224 मरीजों को आनलाइन और 51464 मरीजों को आफलाइन परामर्श दिया गया।

टेलीमेडिसिन सेंटर से 57805 मरीजों का निशुल्क चेकअप

गांव भैरपुरा में अक्टूबर 2015 में यह योजना शुरू की गई। आसपास के ग्रामीण इलाकों के लोगों के लिए शुरू की गई इस योजना में गांव में ही टेलीमेडिसिन सेंटर बनाया गया है। जिसमें अब तक 57805 मरीजों की जांच की जा चुकी है। 38290 मरीजों को आनलाइन देखा गया और 19515 मरीजों को आफलाइन परामर्श दिया गया है। सेंटर पर पहुंचने वालों में सबसे ज्यादा संख्या 18748 त्वचा संबंधी परेशानियों से पीड़ित मरीज रहे। दूसरे नंबर इसका लाभ उठाने वाले मरीजों के रूप में 7138 बच्चे शामिल हैं। इसके बाद 1692 महिलाओं ने इस योजना का लाभ उठाया।

जनहित चिकित्सा योजना से प्रतिदिन छह मरीजों का इलाज

2009 से आरंभ इस योजना में प्रतिदिन निर्बल आय वर्ग के छह मरीजों का चयन कर उनका इलाज, भोजन, दवाइयां सब निशुल्क प्रदान किया जाता है। जनवरी से मई तक इस योजना के तहत मरीजों पर लाकडाउन के बावजूद एक लाख 92 हजार 420 रुपये खर्च किए गए हैं। पिछले वर्ष इस योजना के तहत मरीजों के इलाज में 38 लाख 12 हजार 302 रुपये खर्च किए गए। इसके साथ ही निर्बल आय वर्ग के मरीजों के लिए अस्पताल में चार सौ बेड रिजर्व रखे जाते हैं। इन पर उपचाराधीन मरीजों को बेड के साथ निशुल्क कंसल्टेशन भी दिया जाता है। साथ ही सर्जिकल और ओटी चार्ज भी नहीं लिया जाता।

सामुदायिक स्वास्थ्य योजना से पचास हजार का इलाज

इस योजना में सिर्फ एक रुपये के खर्च पर दंपति का पचास हजार रुपये तक का इलाज निशुल्क किया जाता है। इस वर्ष मई तक इस योजना के तहत 457 नए मरीजों ने रजिस्ट्रेशन कराया। जबकि 101 रिन्यूवल हुए। 407 मरीजों ने इलाज करवाया जिस पर 32 लाख 31 हजार 555 रुपये खर्च किए गए। पिछले वर्ष इस योजना में 2014 दंपतियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। साथ ही 491 रिन्यूवल हुए। पूरे वर्ष 1639 मरीजों ने इलाज कराया। इस योजना के तहत उन पर एक करोड़ 30 लाख 12 हजार 25 रुपये की राशि खर्च की गई। इस योजना में शामिल होने वालों की संख्या लगातार बढ़ रहीं हैं।

निशुल्क फार्मेसी से पौने दो करोड़ से ज्यादा की दवाइयां

ट्रस्ट की ओर से मरीजों के लिए वर्ष 2003 में यह योजना आरंभ की गई। इसके तहत ओपीडी और आईपीडी के निर्बल आय वर्ग से संबंधित पांच सौ मरीजों को प्रतिदिन 150 तरह की दवाइयां निशुल्क वितरित की जाती हैं। निशुल्क फार्मेसी ट्रस्ट के मेडिकल कालेज, धौराटांडा और रामपुर गार्डन में स्थित हैं। मरीजों को प्रति माह तेरह लाख से ज्यादा की दवाइयां निशुल्क वितरित की जाती हैं। प्रति वर्ष यह राशि एक करोड़ 61 लाख से ज्यादा की होती है। 2.25 लाख मरीजों को इसका लाभ मिलता है। अब तक इस योजना के तहत पौने दो करोड़ से ज्यादा की दवाइयां मरीजों को निशुल्क वितरित की जा चुकी हैं।

निशुल्क मोतियाबिंद की जांच और आपरेशन कार्यक्रम

वर्ष 2002 से शुरू हुई इस योजना के तहत ट्रस्ट ने बीस हजार से ज्यादा लोगों की आंखों का मोतियाबिंद का आपरेशन निशुल्क कराया है। साथ ही चश्मे भी निशुल्क वितरित किए हैं। इस योजना के तहत 1165 कैंप लगा कर 87 हजार मरीजों की आंखों की जांच की जा चुकी है। इसमें 27 हजार मरीजों की आंखों का आपरेशन किया गया और उन्हें 45 लाख रुपये की जरूरी दवाइयां निशुल्क प्रदान की गई हैं। इस योजना में मरीजों को आने जाने की सुविधा भी दी जाती है साथ की भोजन भी निशुल्क उपलब्ध कराया जाता है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मरीजों को काफी फायदा मिला।

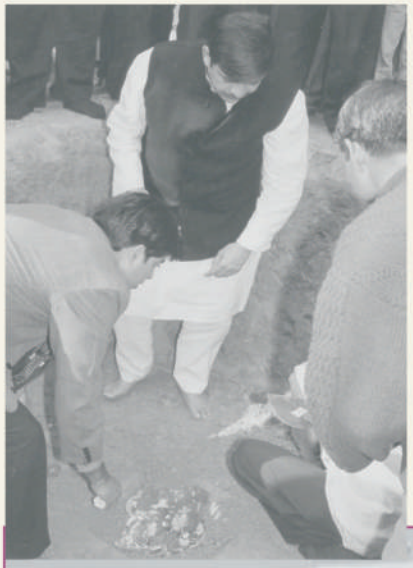

यादों के
झरोखे से...

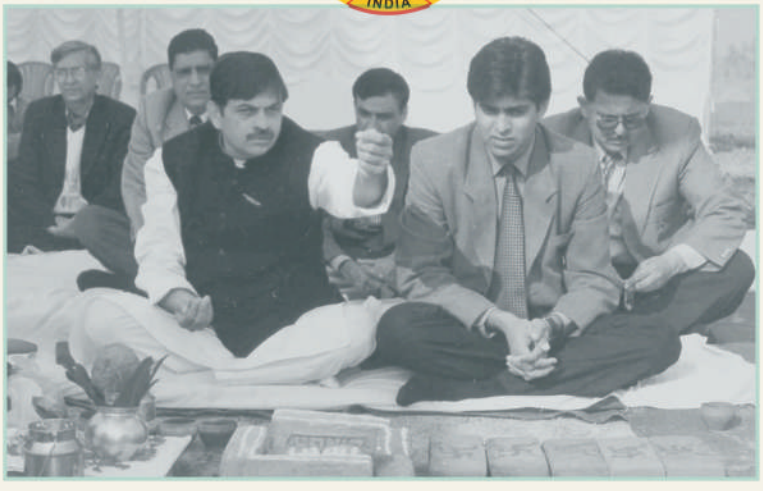

श्री राममूर्ति स्मारक मेडिकल कालेज में कटे अंगों की सफलतापूर्वक सर्जरी

आठ से दस घंटे में कटे अंग को जोड़ना आसान

बरेली: श्री राममूर्ति स्मारक मेडिकल कालेज के सर्जरी विभाग द्वारा कटे अंगों को आपरेशन से जोड़ने का काम सफलतापूर्वक किया जा रहा है। इसके साथ ही जबड़े के प्रत्यारोपण भी सफलतापूर्वक किए जा रहे हैं। यहां पर पिछले दस वर्ष अंगुलियों और हाथों को जोड़ने की सर्जरी की जा रही है। सालाना करीब 30 जबड़ों का प्रत्यारोपण भी यहां हो रहा है। दिल्ली और लखनऊ जैसे शहरों के बाद यह सुविधा बरेली स्थित एसआरएमएस मेडिकल कालेज में उपलब्ध है। बड़े शहरों के मुकाबले यहां पर खर्च भी आधे से कम ही आता है। यह बात कहते हैं यहां के प्लास्टिक व कश्वस्मेटिक सर्जन डा.शोभित शर्मा। वे कहते हैं कि आठ से दस घंटे के बीच कटे हुए अंग का जुड़ना ज्यादा आसान है। जितना समय बीतता है अंगों का जुड़ना मुश्किल होता जाता है। आपरेशन भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे किसी भी हादसे में जिसमें शरीर का कोई अंग कट जाए तो तक्काल बहते हुए खून को रोने का उपाय करना चाहिए। नजदीकी अस्पताल में जाकर उपचार कराना चाहिए। कटे हुए अंग को अच्छे से साफ कर किसी पालिथिन या आइस बाक्स में रख लेना चाहिए और जल्द से जल्द एसआरएमएस मेडिकल कालेज में आकर मिलना चाहिए।

कई जगह से कट गया था रोहित का हाथ

केस 1

- एसआरएमएस में सफलता से बनाए जा रहे हैं आपरेशन से जबड़े
- बड़े शहरों में होने वाले कटे अंगों के आपरेशन बरेली में भी संभव

मशीन में आने से कटा पवन का अंगूठा

केस 2

भीमताल (उत्तराखंड) निवासी हरीश चन्द्र ने बताया कि 22 जून को खेलते समय उनके बेटे रोहित (14 वर्ष) का हाथ चारा काटने वाली मशीन में आने से कई जगह से कट गया था। वे उसे तत्काल हल्द्वानी के एक निजी अस्पताल में ले गए। जहां प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। इसी दिन रात में वह रोहित को लेकर एसआरएमएस मेडिकल कालेज पहुंचे। यहां डा. शोभित शर्मा ने तत्काल आपरेशन किया। आपरेशन में छह घंटे से ज्यादा का समय लगा लेकिन कई जगह से कटा हाथ पुन: जुड़ गया। बेटा आज पूरी तरह से स्वस्थ्य है।

जबड़ा प्रत्यारोपण भी एसआरएमएस में संभव

प्लास्टिक एवं कॉस्मेटिक सर्जन डा.शोभित शर्मा कहते हैं कि दिल्ली- लखनऊ के बीच एसआरएमएस ऐसा एकमात्र अस्पताल है, जहां जबड़ा बनाने का आपरेशन सफलतापूर्वक किया जाता है। प्रति वर्ष करीब 30 लोगों के जबड़ों का प्रत्यारोपण यहां होता है। अब तक सौ से ज्यादा इस तरह के आपरेशन हो चुके हैं। इसमें शरीर की किसी हड्डी को काटकर पहले जबड़ा तैयार किया जाता है। बाद में इसे आपरेट कर लगाया जाता है। इस प्रकार की सर्जरी काफी मुश्किल होती है। इसमें शरीर के किसी हिस्से को निकालकर सर्जरी की जाती है। जो जटिल काम है। इसी प्रकार फ्री टिश्यू ट्रांसफर सर्जरी में भी शरीर के किसी भाग को लेकर उसे कटे हुए स्थान पर लगाकर आपरेट किया जाता है। कुशल सर्जन ही इसे सफलतापूर्वक कर सकते हैं।

बरेली जिले की नवाबगंज तहसील के रहने वाले पवन कुमार (26 वर्ष) एक निजी कंपनी में लैब टैक्नीशियन हैं। 22 जून को सैंपल बनवाते समय उनके सीधे हाथ का अंगूठा अचानक मशीन में आने से कट गया। उन्हें श्री राममूर्ति स्मारक मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। जहां डा.शोभित शर्मा ने उन्हें हाथ जुड़ने का दिलासा दिया। उन्होंने देर रात आपरेशन किया। लगभग तीन घण्टे चले इस आपरेशन के बाद उनका अंगूठा पुन: जोड़ा जा सका। पवन कहते हैं कि अंगूठा कटने से वह काफी डर गए थे। लेकिन डा.शोभित शर्मा ने उनका अंगूठा जोड़ दिया।

एसआरएमएस में 10 साल से हो रहे ऑपरेशन

डा. शोभित शर्मा ने बताया कि 22 जून को दो मरीज भर्ती हुए थे। पहले छोटा बच्चा आया। जिसका हाथ चारा काटने वाली मशीन में आने से कई जगह से पूरी तरह कट गया था। दूसरा युवक था जिसके सीधे हाथ का अंगूठा कटा था। उसी रात दोनों के आपरेशन किए गए। जो सफल रहे। कई जगह से हाथ कटे होने से छोटे बच्चे की सर्जरी ज्यादा मुश्किल थी। इस प्रकार की सर्जरी देश के बड़े अस्पतालों या फिर विदेश में ही संभव है। लेकिन हम एसआरएमएस में इस प्रकार की सर्जरी पिछले दस सालों से लगातार और सफलतापूर्वक करते आ रहे हैं।

एसआरएमएस इंजीनियरिंग एंट्रेंस टेस्ट के साथ प्राउड 100 स्कीम
प्रवेश के साथ ही लीजिए स्कालरशिप

बरेली: शिक्षा के क्षेत्र में एक ब्रांड बन चुका एसआरएमएस ट्रस्ट विद्यार्थियों को अपने सपने हकीकत में बदलने के लिए एक प्लेटफार्म देता है। एसआरएमएस का विजन देश के निर्माण और विकास में भागीदारी निभाते हुए टेक्निकल, प्रोफेशनल, मेडिकल और स्वास्थ्य क्षेत्र में वैश्विक मान्यता वाले लीडर समाज को देना है। इसीलिए ट्रस्ट शिक्षा की गुणवत्ता को ध्यान में रखने के अलावा अनेकों कोर्स का संचालन करा रहा है। यहां पर होनहार छात्रों के लिए समय-समय पर स्कालरशिप भी दी जाती है। एसआरएमएस का लक्ष्य मेधावी छात्रों को बिना किसी भेदभाव के बेहतर शिक्षा और तकनीक प्रदान करना है। ट्रस्ट के शैक्षिक संस्थानों में विद्यार्थियों को जाति, लिंग के भेदभाव से हट कर उन्हें आगे बढ़ने का समान अवसर प्रदान किया जाता है, जिससे वह अपने निर्धारित लक्ष्यों को हासिल कर खुद को लीडर के रूप में स्थापित कर सकें। एसआरएमएस ट्रस्ट अपने इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश के साथ पहले वर्ष ही विद्यार्थियों को स्कालरशिप हासिल करने का अवसर देता है। इसके लिए विद्यार्थियों को एंट्रेंस टेस्ट में शामिल होने का मौका दिया जाता है। राष्ट्रीय स्तर का यह एंट्रेंस टेस्ट आनलाइन और आफलाइन दोनों विकल्पों में होता है। इसमें शामिल होने के लिए विद्यार्थी कोई भी विकल्प चुन सकते हैं। इसमें चयनित विद्यार्थियों के पास एसआरएमएस प्राउड 100 में शामिल होने का एक अवसर और मिलता है।

- राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया जाता है एसआरएमएस ईईटी
- आनलाइन या आफलाइन रूप में टेस्ट में शामिल होना संभव

Anuj Gupta
Co-ordinator
SRMS EET

एसआरएमएस इंजीनियरिंग एंट्रेंस टेस्ट (ईईटी) के कोआर्डिनेटर अनुज गुप्ता जी कहते हैं कि एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन श्री देव मूर्ति जी का संकल्प आर्थिक कारणों से किसी भी प्रतिभाशाली विद्यार्थी की शिक्षा बंद न होने देना है। इसीलिए उन्होंने विद्यार्थियों को स्कालरशिप देने के लिए 3.5 करोड़ का बजट अलग से निर्धारित किया है। इसे हासिल करने के लिए सभी विद्यार्थियों को समान अवसर दिया जाता है। विद्यार्थी परीक्षा में हासिल अपने नंबरों के आधार पर स्कालरशिप प्राप्त करते हैं। एसआरएमएस ईईटी विद्यार्थियों को अपने इंजीनियरिंग संस्थानों की मैनेजमेंट सीटों पर प्रवेश के साथ ही उन्हें एंट्री लेबल स्कालरशिप प्राप्त करने का आफर देता है। इसके जरिये विद्यार्थियों के पास अपनी सुविधानुसार बरेली स्थित एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी (सीईटी) और एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग टेक्नालाजी एंड रिसर्च के साथ उन्नाव स्थित एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी में प्रवेश लेकर बीटेक करने का अवसर मिलता है। एसआरएमएस ट्रस्ट ने इंजीनियरिंग को बढ़ावा देने के लिए स्पेशल स्कालरशिप स्कीम प्राउड 100 भी शुरू की है। इसमें प्रतिवर्ष सिर्फ 100 विद्यार्थी ही चयनित किए जाते हैं। इन विद्यार्थियों को ट्यूशन फीस में 90 फीसद स्कालरशिप दी जाती है। इसके साथ ही इन विद्यार्थियों को वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए विशेष ट्रेनिंग देकर इनकी क्षमताओं का विकास किया जाता है। जिसकी मदद से प्राउड 100 में शामिल विद्यार्थियों का 100 फीसद सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट सुनिश्चित होता है और वह एमाजान, टीसीएस, इंफोसिस, विप्रो जैसी लीडिंग मल्टी नेशनल कंपनियों में 12 लाख वार्षिक से ज्यादा के पैकेज तक हासिल करने में सफल होते हैं। एसआरएमएस ट्रस्ट अपने शैक्षिक इंजीनियरिंक के संस्थानों में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों को भी प्रवेश के साथ ही स्कालरशिप देना सुनिश्चित करता है। इसे पाने के लिए कुछ पैरामीटर भी हैं। इन पैरामीटर पर खरे उतरने वाले सभी विद्यार्थियों को स्कालरशिप दी जाती है। ज्वाइंट एंट्रेंस एक्जामिनेशन (जीईई) की मुख्य परीक्षा या किसी भी राष्ट्रीय और स्टेट लेबल की परीक्षा में हासिल रैंक के आधार पर भी विद्यार्थियों को ट्रस्ट स्कालरशिप देता है। जो ट्यूशन फीस के रूप में 40 फीसद से लेकर 5 फीसद तक होती है। 10+2 की परीक्षा में फिजिक्स, कैमिस्ट्री और मैथ्स (पीसीएम) विषयों में प्राप्त औसत नंबरों के आधार पर भी विद्यार्थी स्कालरशिप हासिल कर सकते हैं। इन्हें 50 फीसद से 10 फीसद तक ट्यूशन फीस में छूट मिलती है। ट्रस्ट अपनी ओर से राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित एसआरएमएस ईईटी में भी 60 फीसद तक नंबर हासिल करने वाले विद्यार्थियों को स्कालरशिप देता है। इन्हें ट्यूशन फीस में 10 फीसद से लेकर 90 फीसद तक स्कालरशिप मिलती है। एसआरएमएस ईईटी में 75 फीसद या इससे ज्यादा नंबर पाने वाले विद्यार्थियों को प्राउड 100 में शामिल होने का एक और मौका मिलता है। जिसमें ट्यूशन फीस में 90 फीसद तक स्कालरशिप के साथ अन्य सुविधाएं भी दी जाती हैं। एसआरएमएस इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में शामिल होने वाले विद्यार्थियों के साथ ही एमबीए और एमसीए में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को भी स्कालरशिप हासिल करने का मौका देता है। इनके लिए भी नेशनल और स्टेट लेबल का एंट्रेंस एग्जाम आयोजित किया जाता है। इसके साथ ही कामन एडमीशन टेस्ट , मैनेजमेंट एप्टिट्यूट टेस्ट, कामन मैनेजमेंट एडमीशन टेस्ट (सीएमएटी) में हासिल रैंक और ग्रेजुएशन में हासिल अंकों के प्रतिशत के आधार पर भी ट्रस्ट के संस्थानों में प्रवेश लेने पर स्कालरशिप हासिल की जा सकती है। ट्रस्ट सभी को ट्यूशन फीस में 5 फीसद से 40 फीसद तक रियायत देता है।

On the basis of Entrance Exam organized at National / State Level		On the basis of Percentage of Marks secured in Qualifying Examination		On the basis of SRMS EET	
General Rank secured in JEE Mains	Scholarship (As the percentage of Tuition Fee)	Aggregate Percentage of Marks in PCM at 10+2 Level	Scholarship (As the percentage of Tuition Fee)	Percentage of marks secured	Scholarship (As the percentage of Tuition Fee)
1-20000	40%	Above 95%	50%	Above 75%	PROUD 100
20001-40000	30%	86%-95%	30%	71%-75%	30%
40001-60000	20%	81%-85%	20%	66%-70%	20%
60001-80000	10%	70%-80%	10%	60%-65%	10%
80001-100000	5%				

ENTRY LEVEL SCHOLARSHIP FOR MBA & MCA

On the basis of Entrance Exam organized at National / State Level					On the basis of Percentage of Marks secured in Qualifying Examination	
Percentile secured in CAT	Rank in State Entrance Test	Scholarship (As the percentage of Tuition Fee)	Percentile secured in MAT / CMAT	Scholarship (As the percentage of Tuition Fee)	Aggregate Percentage of Marks secured at Graduation Level	Scholarship (As the percentage of Tuition Fee)
Above 80	1-500	40%	Above 90	25%	Above 85%	40%
76-80	501-1000	30%	86-90	20%	81%-85%	20%
71-75	1001-1500	20%	81-85	15%	76%-80%	10%
66-70	1501-2000	10%	76-80	10%	70%-75%	5%
60-65	2001-3000	5%	70-75	5%		

SHRI RAM MURTI SMARAK TRUST 1990-2020 30 GLORIOUS YEARS INDIA

Note: Out of the above mentioned scholarships, a candidate can claim the benefit under at the most one criteria only.

CALL ON:
7055999555,
9458702000
SRMS Institutions
www.srms.ac.in

श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता 2000 में प्रथम स्थान प्राप्त कहानी

बिचारा नेक आदमी

लेखक- कु. नैरंजना श्रीवास्तव, पता- कानपुर

दुनिया बहुत बड़ी है और उससे भी बड़ा है उसका बाजार। सिक्कों के शोर में निष्ठा की भैरवी कहीं खो जाती है। गरीबों के जीवन में गर्व करने को मात्र उनका सत्य ही शेष रहता है लेकिन इस बाजार में उसकी भी बोली लग जाती है। धन और उसकी चमक से कोसों दूर दीनू का जीवन पुस्तकों और उसमें लिखे काले-काले आकर्षक अक्षरों में मग्न रहता था। वह उस भण्डार का सिपाही था, जिसकी कीमत का आंकलन संभव नही। वह पुस्तकों की जिल्द बनाता था, इस काम में उसे कोई 20-25 रूपये दैनिक मिलते थे। शायद इनसे वह वैभवपूर्ण जीवन बिता भी लेता लेकिन 15 बच्चों के साथ? जिनके जीवन के स्वर से संयुक्ताक्षर तक की सम्पूर्ण यात्रा दीनू की जिम्मेदारी थी। वह कहता- 'बाप नहीं तो क्या हुआ, यदि हृदय में एक बार इनके प्रति मोह जागा है तो कभी कहीं का संबंध अवश्य रहा होगा। अविवाहित दीनू अपनी आयु के पचपनवें वर्ष में था। वह एक छोटा सा आश्रम चलाता था, ये बच्चे ही उसकी पूंजी और ये ही उसकी विरासत थे।

बाइन्डिंग से मिलने वाली आय बहुत न थी, पर उतनी थी जिससे वह अपनी और अपने आश्रम की देख-रेख कर सकता था। अनाथ बच्चों के साथ उसने अपने अद्भुत संसार का सृजन कर लिया था। वह उन सभी बच्चों का पिता और गुरु था, जो असहाय थें, कभी सच्चे अर्थों में और कभी किसी महात्वाकांक्षी युगल की अनावश्यक अपेक्षा के परिणाम के रूप में, यानि नाथ के रहते अनाथ। दीनू की दिनचर्या का एक मुख्य हिस्सा केवल और केवल बच्चों के साथ बीतता। निरक्षर होते हुए भी वह बच्चों को जीवन जीने की असल कला सिखाता। वह इनसे कहता कि 'जीवन में माँगने से अधिक कोई पतित काम नहीं। ईश्वर के आगे भी कभी हाथ न फैलाना, हाथ जोड़कर प्रार्थना ही करना कि वे हमें विश्वास दे, अखण्ड शक्ति और अदम्य भक्ति दे। जीतने-हारने की प्रेरणा तो हममें ही है, उसके लिए दूसरों का मुँह क्या देखना? मैं तो संघर्ष का सूत्र देता हूँ। जब भी निराशा का अनुभव करो तब सोचो कि तुम अंधकार में घिर गए हो और फिर देखना कि कैसे युयुत्सा तुम्हें नया जीवन देती है। सुनो बच्चों! मैं तुम्हें बड़ा आदमी बनने का सपना नहीं देता, अगर कुछ बन सको तो उत्तरदायित्वपूर्ण नागरिक बनना।'

समय बढ़ता जा रहा था और परिवर्तन का चक्र अपनी गति से घूम रहा था। दीनू अब अपनी उम्र की ढ़लान पर आ चुका था, और बाजार में किताबें-कॉपियाँ भी अब मोटी जिल्दों वाली मिलने लगी थीं, सो दीनू की दुकान पर अब पहले जैसी व्यस्तता न दिखती। आय कम हो गई, लेकिन दीनू का उत्साह कहीं से कम न हुआ। जो पुस्तकें उसे बाइन्डिंग के लिए मिलती, उन्हीं से वह आश्रम के बच्चों को पढ़ाता, क्योंकि उसे देश के लिए ऐसे सिपाहियों का निर्माण करना था जो कलम और तलवार दोनों से लड़ सकें। दीनू के प्रेम में और कर्तव्य में समपर्ण का भाव था। वह अपेक्षाओं की देहरी लाँघ कर कर्म के प्रांगण में संस्थित, मंगलमय भविष्य के शुभागमन के गीत गाता। एक रोज संध्या- वंदन को जाते हुए किसी ने पीछे से आवाज दी 'गुरुजी! संजय बाबू आए हैं।'

संजय दीनू का पुराना शिष्य था, जो आजकल समाज कल्याण विभाग में मंत्री जी का मुख्य निजी सलाहकार हो गया था। उसे देखकर दीनू के मस्तक पर उज्जवल रेखाएँ चमक गई। संजय ने ज्यों ही दीनू का चरण छुआ, उसकी वृद्ध आँखें मुंद गई। अश्रु की दो बूँद संजय के सिर पर आशीष की भाँति टपक गई और दीनू की हथेलियों ने आपस में जुड़कर ईश्वर को धन्यवाद दिया। संजय वहीं चारपाई के समीप भूमि पर गुरु के चरण पर सिर धरे बैठ गया। रात्रि-भोजन के उपरान्त सभी शयन को चले गए पर संजय आकर दीनू के पास बैठ गया। शान्ति भंग हुई, दीनू ने पूछा 'कैसा है रे'? संजय ने उत्तर दिया 'बस आपने हाथ रखा है कैसा रहूँगा?' दीनू हँस दिया। बातें चलती रहीं किन्तु आज सब कुछ पूर्ववत् न था, उसने चलने का प्रयास किया, क्योंकि वह जानता था कि संजय वागेच्छा के निरोध में सक्षम न था। 'गुरुजी!' संजय ने पीछे से कहा। दीनू रूका, 'बोल बेटा' उसने कहा हमारे मंत्रालय ने एक योजना के अन्तर्गत उन लोगों को पुरस्कृत करने का प्रस्ताव किया है जिनके योगदान ने समाज के नव-निर्माण के लिए नींव की ईटें गाढ़ी हैं। वे आपकों भी पुरस्कृत करेंगे।' दीनू ने बड़ी सौम्यता से कहा, मुझे क्या पुरस्कार देगा, मैने किया ही क्या है? जो तुम्हारा था उसे तुम्हें दिखाने में मदद की बस। अगर कुछ करना ही है तो अपने इन भाई-बहनों की मदद कर दे, यही भविष्य की निधि है, जिस क्षण खुलकर बिखरेंगे प्रकाश ही प्रकाश होगा।' इनके लिए सोचना तो मेरा कर्तव्य है ही किन्तु आप ना मत कीजिएगा गुरुजी। मैं जानता था कि आप यों ही मानने वाले नहीं, इसीलिए तो स्वंय आया हूं। सेवा के लिए एक अवसर हाथ आया है, उससे वंचित न होने दें। गुरूदेव! आपको मेरी शपथ, आप समारोह में अवष्य आएँगे।' संजय बिना रूके बोलता गया। पुत्र के अनुरोध ने दीनू को विवष कर दिया। उसने कहा, 'पुत्र हठ चाहे अनुरोध के रूप में हो चाहें धृष्टता के रूप में, हर काल, हर युग में पिता को हथियार डालने पड़ते है। जैसा तू चाहे, मैं तो उसी चिन्मय की इच्छा का

माध्यम मात्र हूँ।' संजय अगले ही दिन पौ फटते ही वापस चला गया। सरकारी दतर मे अधिक दिनों तक अवकाश राज्य हित की हानि है। दीनू इसे समझता था, अत: उसने संजय को न रोका। समारोह में अभी 5 दिन शेष थे। दीनू का मन सदा की भाँति निर्द्वन्द्व, शीतल जल सा एकरस था। दैनिक ध्यान के लिए बोरा बिछाकर वह बैठने ही वाला था कि रेशमी की मीठी सी आवाज सुनाई दी-' गुरुजी!' फिर धीरे से आकर गुरूजी के पास बैठ गई, बोली-' गुरुजी जब ईनाम मिलेगा तो उससे मेरे लिए पायल बनवा दोगे ना!' दीनू अवाक् रह गया, बच्ची ने माँगी भी तो क्या पायल? उसे याद आया जब पाँच वर्ष पहले नगर महापालिका के द्वार पर इस नवजात बच्ची को अकेला पाकर कुत्ता उसे एक टाँग से पकड़कर खींचते हुए ले जा रहा था। आस-पास के लोगों की आँख पड़ी तो बच्ची तो बच गई लेकिन डॉक्टरों ने जहर फैलने के कारण उसका एक पैर काट दिया। रेशमी अपाहिज बन गई, वह अनाथ तो थी ही। भरी आँखों से दीनू उसे देखता रहा। समय ने उसके बालपन को असमय परिपक्व कर दिया था। रेशमी जाते-जाते बोली-'बनवा देना गुरुजी बनवा देना....।'

गुरुजी ने उसके स्वाभिमान का मूक अभिवादन किया और शान्त समाधि में बैठ गए। आज दीनू को लगा कि जिस अग्नि की उसने प्रतिदिन अपेक्षा से रहित होकर आराधना की थी, उसकी जीवित दहक रेशमी में थी। दीनू ने पहली बार भविष्य के सूरज की ओर मुँह किया था, उसने देखा कि रेशमी एक नहीं दोनों परों पर खड़ी थी, यह दूसरा पैर उसके अपार साहस तथा आन्तरिक शक्ति का पुञ्जीभूत रूप था। इन पर खड़ी रेशमी उसे संसार की सबसे संतुलित लड़की लगी। दीनू को अब विश्वास होने लगा था कि उसके इस अनाथआश्रम को रेशमी के रूप में नए और मजबूत कंधे मिल गए। समारोह के दिन आश्रम में सुबह से ही चहल-पहल थी। समारोह स्थली को प्रस्थान करते समय न जाने क्यों सहसा उसे लगा जैसे कुछ छूट रहा हो। उसे लेने के लिए सरकारी गाड़ी और संजय तमामों ताम-झाम के साथ आए थे। ज्यों ही कार का दरवाजा खुला तो उसे धम्म की जोरदार अवाज सुनाई दी। वह व्याकुल सा वापिस जाने को हुआ, लेकिन सबने कहा कि समारोह में मंत्री महोदय का आगमन हो चुका होगा। अत: शीघ्रता अपेक्षित है। फिर भी दीनू के हठ पर संजय को सब कुशल है, यह देखकर आने का कार्यक्रम बनाना पड़ा। पुरस्कार वितरण में अभी समय था, दीनू की आँखें संजय को तक रही थीं। शीघ्र ही थका-थका सा संजय उसे अपनी ही ओर आता दिखाई दिया। दीनू ने पूछा- क्या हुआ। हाँ-हाँ वो कुछ नहीं एक पुरानी दीवार गिर गई थी, मैने सब व्यवस्थित कर दिया है। दीनू अभी भी निश्चिन्त न हो सका था, किन्तु शान्त बैठा रहा।

समारोह प्रारम्भ हुआ, आयोजकों और मंत्री महोदय का परस्पर घंटा भर माल्यार्पण व धन्यवाद ज्ञापन का कार्यक्रम चलता रहा। दीनू का हृदय तत्काल आश्रम जाने को करने लगा। पुरस्कार का मोह उसे कदापि न था, किन्तु संजय ने रोक लिया। आखिरकार पुरस्कार वितरण का कार्य प्रारंभ हुआ। प्रषस्ति पत्र, शॉल और 10,000 रूपयों का चेक थमाकर मंत्री जी ने विशेष रूप से दीनू के सम्मान मे दो-चार बातें कहीं। फिर गर्व से सीना फुलाकर घोषणा की, 'दीनदयाल जी की इस अपूर्व सामाजिक सेवा ने सरकार को इनके और इनके आश्रम के हित के लिए सोचने को विवश कर दिया है। मैं यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता हूँ कि सरकार ने इनके आश्रम की भूमि पर एक पंच सितारा रेस्तराँ खोलने का विचार किया है, जिसकी आमदनी के पाँचवें भाग से एक ट्रस्ट बनाया जाएगा और इस ट्रस्ट की सारी धनराषि दीनदयाल जी की होगी। तालियों की गड़गड़ाहाट के बीच मंत्री जी ने मंच से उतर कर संजय की ओर विजय की मुस्कान फेंकी, संजय दौड़कर मंत्री जी के चरणों में उलट गया और दीनू...दीनू हतप्रभ सा मंच के कोने में खड़ा सारा तमाशा देखता रहा गया। उसकी भूमि उससे छिनने जा रही थी। लेकिन उसने पक्का निश्चय कर लिया कि वह इस छलावे को कतई स्वीकार नहीं करेगा। बिना किसी से कुछ कहे वह पवन वेग से अचेतन सा आश्रम की ओर भागा।

आश्रम के द्वार पर पहुँचते ही भीतर से मुर्दनी का सन्नाटा सिसकने लगा, अनिष्ट की आशंका बलवती होती गई। उसने कमरे में प्रवेश किया, अंदर रेशमी सफेद चादर में लिपटी धरती पर सोई थी। किसी ने कहा, 'आपको समारोह में जाते देखना चाहती थी, इसलिए पुरानी छत पर चढ़ गई और छत भरभरा कर गिरी और.....? दीनू की पलकें हिमवत् एक दूसरे से जुड़ गई और 'संजय' हृदय ने तड़पकर कहा। कष्ट में दीनू की आँखें मिंच गई आँखों से अश्रु न गिरे, हृदय से विश्वास छूट गया। लाठी डगमगाई और वह जमीन पर रेशमी के पास बैठ गया, उसके सिर पर अपने अस्थिषेंज हाथ से अंतिम आशीष देते हुए उसका वृद्ध शरीर काँपने लगा। तभी भीड़ में से किसी के फुसफुसाने की आवाज सुनाई दी, संजय बाबू तो माँ-बाप वाले थे, अच्छे पालन के लिए उनके मामा ने दीनू चाचा की उँगली पकड़ा दी वरना, गरीबी में बड़े आदमी तो क्या, आदमी भी न बन पाते। सुना है, अपने गरीब माँ बाप के लिए होटल बनवाने जा रहे हैं। ऐष्वर्यपूर्ण जीवन की लालसा में अनाथ बनने का आडम्बर करते रहे उन्होने दीनू चाचा के प्रेम का मर्म न जाना तभी तो अधमरी रेशमी को यहीं छोड़कर गए। संजय का यह छल दीनू के जीवन का अंतिम सत्य बन गया। दीनू ने आँखें न खोलीं। सबका सत्य उसकी आँखों के सामने था। उसके मुख से निकला-' जा संजय, जा बेटा जा। गिनने वालों ने इसमें उसके मन्तव्य गिन लिए। दीनू फिर कभी न उठा। सभी कहते निकल गए...एक बड़ा नेक आदमी था....बिचारा।

(समाप्त)

एसआरएमएस सीईटी में नई शिक्षा नीति पर वेबिनार का आयोजन

कौशल विकास पर ध्यान देना जरूरी

- कौशल विकास से ही देश का आत्मनिर्भर होना संभव
- चुनौतियों के बीच अवसर ढूंढना ही शिक्षा का महत्व

बरेली: श्री राम मूर्ति स्मारक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी, बरेली (फार्मेसी) में 15 जून को नई शिक्षा नीति 2020 पर नेशनल वेबिनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इसमें डिग्री के साथ ही कौशल विकास पर ध्यान देना जरूरी बताया गया। मुख्य वक्ता प्रोफेसर राजकुमार सिंह ने कहा कि देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए युवाओं को कौशल विकास पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। इसके बिना न तो खुद का विकास हो सकता है और न ही देश का। वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, वाराणसी के डीन प्रोफेसर डाक्टर राज कुमार सिंह शामिल हुए। सत्र की शुरूआत की और सभी स्तरों पर शिक्षा की संरचना में सुधार कर एनईपी, 2020 के उद्देश्य, मूल उद्देश्य और हमारे देश के 'ट्रांसफार्म इंडिया' के दृष्टिकोण को साझा किया। उन्होंने नीति के कुछ मूल तत्वों पर प्रकाश डाला जो शिक्षा की नई संरचना, ज्ञान प्रणाली के अंतर को भरने के लिए उच्च शिक्षा में अंत: विषय विषयों के महत्व और विविध पाठ्यक्रम जहां छात्र आनलाइन मोड के माध्यम से ले सकते हैं और सीबीसीएस प्रणाली के महत्व पर प्रकाश डाला। जहां छात्र अपनी पसंद के विषयों को चुन सकते हैं और 2035 तक सकल नामांकन अनुपात को 26.3 से बढ़ाकर 50: कर सकते हैं। उन्होंने व्यावसायिक शिक्षा पर भी जोर दिया, जिसमें छात्र अपनी डिग्री के साथ-साथ कौशल हासिल कर सकें जिससे देश को श्रम की कमी का सामना नहीं करना पड़े और आत्मनिर्भर बना जा सके। इसके अलावा संसाधन, व्यक्ति के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का उत्पादन करने के लिए शिक्षक शिक्षा संस्थानों की भूमिका पर कुछ प्रकाश डाला। नई शिक्षा नीति 2020 की बारीकियों को समझाया और वेबिनार में शामिल हुए प्रोफेसर और रिसर्च स्कालर्स के द्वारा किये सवालों का जवाब दिया। श्री राममूर्ति ट्रस्ट के चौयरमैन श्री देव मूर्ति का कहना की कोरोना से डरने की नहीं बल्कि सतर्कता की आवश्यकता है। मास्क और दो गज की दूरी के नियम का पालन करें और टीका जरूर लगवाए। डीन एकेडेमिक्स प्रोफेसर (डा.) प्रभाकर गुप्ता ने वेबिनार की सराहना करते हुए कहा की श्री राम मूर्ति ट्रस्ट समय समय पर समाज के उत्थान एवं जागरूकता के लिए ऐसी गतिविधियां करता रहता है। इससे पहले फार्मेसी विभाग की सहायक प्रोफेसर निति मिश्रा ने संसाधन व्यक्ति और प्रतिभागियों का स्वागत कर सत्र की शुरुआत की। कार्यक्रम संयोजक डा. मोहित गुप्ता ने कहा कि इस वैश्विक महामारी में देश प्रदेश से विद्वान आवागमन नहीं कर सकते और ना ही स्टूडेंट्स कालेज में एकत्र हो सकते हैं। सोशल डिस्टेंस को पालन करना अब नियम की तरह लागू है। ऐसे में कालेजों में होने वाले रिसर्च सेमिनार एवं कांफ्रेंस ना रुकें इसी बात को ध्यान में रखते हुए बरेली स्थित श्री राम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी में आनलाइन नेशनल वेबिनार का आयोजन किया गया है। फार्मेसी के निदेशक प्रोफेसर (डा.) ललित सिंह ने वेबिनार की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य ही चुनौतियों में अवसर ढूंढना है। उन्होंने मुख्य अतिथि और सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। वेबिनार में चीफ प्राक्टर डा दीपेश तिवारी, डीन स्टूडेंट वेलफेयर श्री कपिल भूषण, डा नीता यादव, मोहम्मद अख्तर, डा शशि, दीपाली, शिप्रा, रजत, रितेश, निदा, रिजवाना एवं अपर्णा, सभी छात्र अवं छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

इलेक्ट्रिक वाहनों का ही है भविष्य

बरेली: एसआरएमएस के बरेली स्थित कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी में 26 जून को इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा इन्नोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेल के सहयोग से ''एडाप्शन आफ इलेक्ट्रिक व्हीकल एंड गवर्नमेंट पालिसी'' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन हुआ। विभागाध्यक्ष डा. अखिलेन्द्र यादव ने विशेष अतिथि एवं मुख्य वक्ता ग्रेटर नोएडा स्थित एमिटी यूनिवर्सिटी के इलेक्ट्रिकल डिपार्टमेंट के प्रोफेसर (डा.) संजय सिन्हा, सभी शिक्षकों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। वेबिनार के विषय के बारे में बताया। मुख्य वक्ता डा. संजय सिन्हा ने इलेक्ट्रिक व्हीकल इन्वेंशन, चार्जिंग के प्रकार तथा इलेक्ट्रिक वाहनों में उपयोग होने वाली बैटरी के बारे में विस्तार से बताया तथा भविष्य में बैटरी की कार्यक्षमता को कैसे बढ़ाया जा सकता है, के बारे में भी प्रकाश डाला। उन्होंने इलेक्ट्रिक वाहनों पर स्विच करना क्यों आवश्यक है को रेखांकित किया, ताकि देश को कच्चे तेल की कमी का सामना नहीं करना पड़े और वायु प्रदूषण को कम किया जा सके। वेबिनार के समापन पर वेबिनार सचिव संजीव कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया। संचालन मिस सदफ कासिम ने किया। इस मौके डीन एकेडमिक्स डा.प्रभाकर गुप्ता, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट डिपार्टमेंट के निदेशक डा.अनुज कुमार, निदेशक फार्मेसी डा. ललित सिंह, डा.राजेश त्यागी भी मौजूद रहे।

मेडिकल कालेज, सीईटी, सीईटीआर, नर्सिंग कालेज, पैरामेडिकल में हुई प्रार्थना सभा

कोरोना से दिवंगतों को श्रद्धांजलि, दो मिनट मौन

बरेली: एसआरएमएस ट्रस्ट के बरेली स्थित संस्थानों में कोविड महामारी में दिवंगत हुई आत्माओं के लिए 9 जून (बुधवार) को दो मिनट का मौन रखा गया। इस दौरान सभी संस्थानों में प्रार्थना सभा भी आयोजित की गई। इसमें कोविड महामारी से लड़ रहे लोगों को हिम्मत देने और अपनों को खोने वालों को भी ढांढस बंधाने के लिए सर्वशक्तिमान ईश्वर से प्रार्थना की गई। इस मौके पर डाक्टर, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ के साथ उन सभी लोगों को भी सेल्यूट किया गया, जिन्होंने अपनी जान पर खेल कर कोविड संक्रमितों के उपचार को अपना पहला कर्तव्य समझा। कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए संघर्ष करने वाले पुलिस कर्मियों और सभी समाज सेवियों के कार्य की भी सराहना की गई। एसआरएमएस मेडिकल कालेज के प्रांगण में प्रार्थना सभा को फिजियोलाजी विभाग की एचओडी डा.बिंदू गर्ग ने कोआर्डिनेट किया। यहां पर कालेज के प्रिंसिपल डा.एसबी गुप्ता, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा.आरपी सिंह, डीन यूजी डा.रोहित शर्मा, डीन पीजी डा.पियूष कुमार, चीफ प्राक्टर डा.एनके अरोड़ा, डीएसडब्ल्यू डा.अतुल कुमार, प्रिंसिपल पैरामेडिकल डा.कृष्ण गोपाल, सभी विभागाध्यक्ष, फैकेल्टी, डाक्टर, एसआर, जेआर, इंटर्न, एडमिन स्टाफ, नर्सिंग स्टाफ मौजूद रहा।

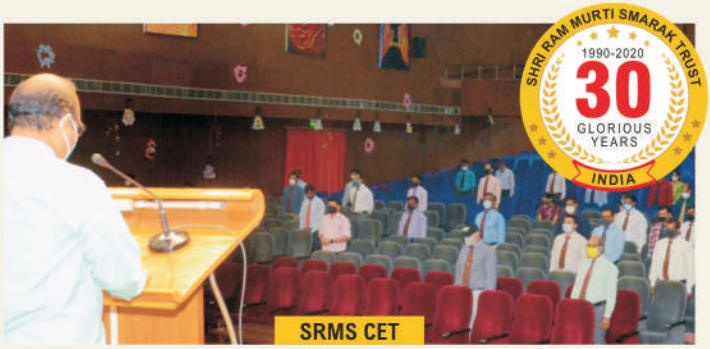

SRMS CET

SRMS COLLEGE OF NURSING

एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग (सीईटी) में प्रार्थना सभा श्री राम मूर्ति शतिक प्रेक्षागृह में हुई। इसे डा.आशीष कुमार ने कोआर्डिनेट किया। इस मौके पर डायरेक्टर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल डा.अनुज कुमार के साथ सारा टीचिंग और नानटीचिंग स्टाफ मौजूद रहा। एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग टेक्नालाजी एंड रिसर्च में प्रार्थना सभा को कालेज की प्राचार्य डा.रितु सिंह ने कोआर्डिनेट किया। इस मौके पर कालेज का समस्त शैक्षणिक स्टाफ और अन्य स्टाफ मौजूद रहा। एसआरएमएस कालेज आफ ला की फैकेल्टी और स्टाफ भी यहां प्रार्थना सभा में मौजूद रहा। एसआरएमएस कालेज आफ नर्सिंग में प्रार्थना सभा को प्राचार्य डा.शमशाद आलम ने कोआर्डिनेट किया। यहां भी सभी फैकेल्टी मेंबर्स और स्टाफ उपस्थित रहा।

SRMS CETR

SRMS IMS

डा. आयुष गर्ग, एसआरएमएस आईएमएस

आईएमए जेडीएन यूपी के संयोजक बने

एसआरएमएस आईएमएस के कैंसर विशेषज्ञ डा. आयुष गर्ग को आईएमए की जूनियर डाक्टर्स नेटवर्क (जेडीएन) की उ.प्र.शाखा का संयोजक बनाया गया है। उन्हें यह जिम्मेदारी पिछले माह दी गई। जूनियर डाक्टर्स के उत्पीड़न को उठाना और उनके लिए जाब के मौके तलाशने, पीजी एजूकेशन सहित अन्य हितों के लिए संघर्ष करने के लिए आईएमए की जूनियर डाक्टर्स नेटवर्क शाखा की स्थापना वर्ष 2019 में हुई थी। इसकी उ.प्र. शाखा का गठन इसी वर्ष किया गया है। यह आईएमए के साथ मिल कर काम करती है। एसआरएमएस के ही डा.प्रभु मल्होत्रा को इस संस्था में जनरल सेक्रेटरी बनाया गया है। यहां के दो डाक्टरों को जेडीएन में जिम्मेदारी मिलना गर्व की बात है।

डा. नीलिमा मेहरोत्रा, एसआरएमएस आईएमएस

म्यूकोरमाइकोसिस पर अध्ययन आईजेओ में

म्यूकोरमाइकोसिस 2826 मरीजों पर किए गए अध्ययन को इंडियन जर्नल आफ आप्थल्मोलश्वजी के नए संस्करण में प्रकाशित किया गया है। इसका प्रकाशन ओकुलो प्लास्टिक्स एसोसिएशन आफ इंडिया और इंडियन जर्नल आफ आप्थल्मोलाजी ने संयुक्त रूप से किया है। इसमें एसआरएमएस आईएमएस के नेत्ररोग विभाग की प्रमुख डा.नीलिमा मेहरोत्रा की रिपोर्ट को भी स्थान मिला है। एसआरएमएस मेडिकल कालेज में आए म्यूकोरमाइकोसिस के मरीजों पर किए अध्ययन की रिपोर्ट दी है। उन्होंने कहा कि म्यूकोरमाइकोसिस पर केंद्रित इस जनरल में देश के नामी संस्थानों के डाक्टरों के अध्ययन को स्थान दिया गया है। ऐसे में उन्हें स्थान मिलना फख्र की बात है।

OUR NEW ASSOCIATE

(June 2021)

डा.आशुतोष पाराशर
न्यूक्लियर मेडिसिन कंसल्टेंट
डीएनबी (न्यूक्लियर मेडिसिन)
एसआरएमएस एफआईएमसी,
लखनऊ

अंजलि रानी
असिस्टेंट प्रोफेसर
एमएससी (आप्टोमेट्री)
एसआरएमएस आईपीएस
बरेली

एसआरएमएस ट्रस्ट के
संस्थानों में संबद्ध
होने वाले सभी नए एवं
पदोन्नत साथियों को
बधाई एवं
शुभकामनाएं ...

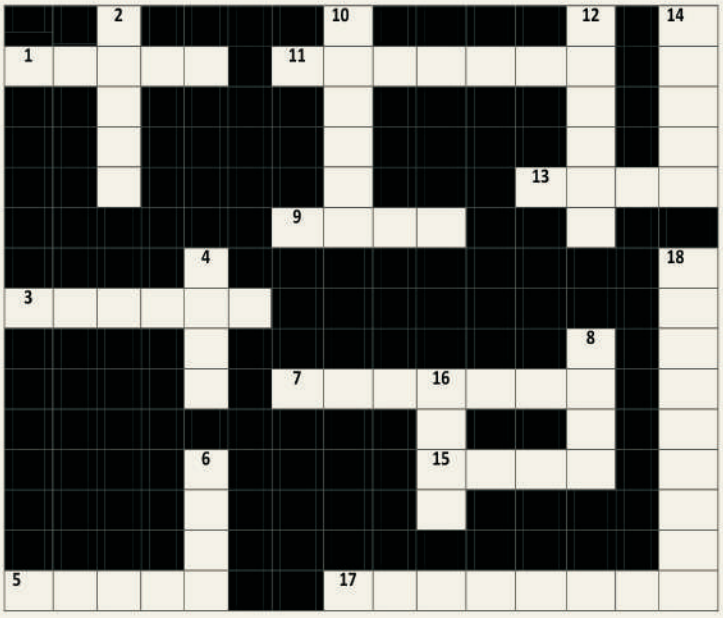

Crosswords No. 14

HORIZONTAL

1. Holiest river of India
3. Also known as Satdree
5. Daughter of Rishi Vashist
7. It originates near Mahabelshwar also called Krishnaveni
9. Ukai dam is built over this river
11. Also called Reva
13. River in the Kargil district
15. Also called as parushani
17. 2nd largest river in India

VERTICAL

2. Largest exotic river
4. Also known as Vipasha
6. Also known as sorrow of Bihar
8. River of Madhya Pradesh where two hydro electric projects are running
10. Major river of northern India also known as Yami
12. Major river of southern India also called as ponni
14. It has origin in Sahyadri hills
16. It flows in kargil district and also known as mountain river
18. Mahatma Gandhi established ashram on the banks of this river

SHRI RAM MURTI SMARAK TRUST
1990-2020
30
GLORIOUS YEARS
INDIA

क्रॉस वर्ड एवं सुडोकू का
परिणाम अगले अंक में देखें

Sudoku No. 14

								8
			5				7	
	9			1				
			3		8	2		
					2			4
	7							
		8					6	
3							1	
				7		9		

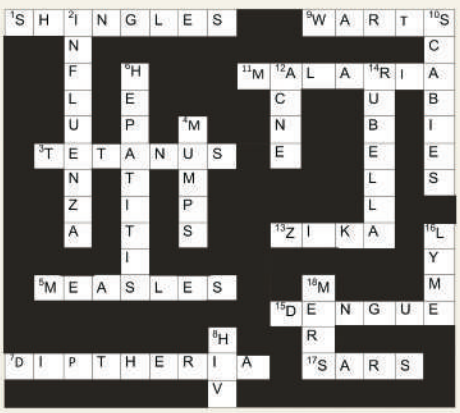

Answer: Crosswords No. 13

7	8	4	**2**	9	1	6	3	5
9	6	**1**	5	3	7	**8**	4	2
2	5	3	**4**	6	8	7	1	9
6	9	8	3	**1**	**5**	2	**7**	4
1	**3**	7	6	2	4	5	9	8
5	**4**	**2**	8	7	9	3	**6**	1
8	1	5	7	4	3	**9**	2	6
4	7	6	9	**8**	2	**1**	**5**	3
3	**2**	9	1	5	6	4	8	7

Answer: Soduko No. 13

SRMS

२०वां स्थापना दिवस

आपका अटूट विश्वास
हमारी ताकत

श्री राम मूर्ति स्मारक
इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, बरेली

#srmsims(@srmstrust) /ShriRamMurtiSmarakInstituteOfMedicalSciences @SRMSIMSBareilly

www.srms.ac.in